हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 1 सितंबर 2025

9 एचएल सिटी मंदिर में राधा-कृष्ण की प्रतिमाएं ...

10 भाजपाइयों ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

खबर संक्षेप

जानलेवा हमला करने मामले में दो गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा जानलेवा हमला करने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी मातनहेल प्रभारी सत्यवीर ने बताया कि राजवीर निवासी बिरोहड़ की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कुलेश निवासी मकडाणी जिला चरखी दादरी और संजीव निवासी बिरोहड के तौर पर की गई है।

रेहड़ी लगाने वाले युवक से छीनाझपटी, केस

बहादुरगढ़। शनिवार को शहर के बाइपास पर नया गांव चौक के निकट एक कार चालक अज्ञात व्यक्ति ने रेहड़ी लगाने वाले युवक के साथ धक्का-मुक्की कर मोबाइल फोन और नकदी छीन ली। जानकारी के अनुसार डीआईजी कॉलोनी निवासी विकास नया गांव चौक पर शिकंजी की रेहड़ी लगाए हुए था। तभी एक कार में सवार अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचा और विकास से हाथापाई कर उसका मोबाइल फोन और 2 हजार रुपए नकद छीनकर मौके से फरार हो गया।

जलभराव से पीड़ित किसानों को राहत दें

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी तथा अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल ने बताया कि प्रदेश में अब तक 2.19 लाख एकड़ फसल जलभराव का शिकार हो चुकी है। बाजरा, कपास, ग्वार, ज्वार तथा अनेक सब्जियों और फूलों की फसलें लगभग पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। कठोर शर्तों के कारण बीमा कंपनियां से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा किसानों को नहीं मिल पाता तथा हरियाणा सरकार भी नाममात्र की क्षतिपूर्ति करती है। फसल बर्बाद होने किसान के पास घर के खर्च के लिए आमदनी का कोई जरिया नहीं बचता। उन्हें मजबूरन कर्ज लेना पड़ता है और वे कर्जजाल में फंस जाते हैं। संगठन ने किसानों की बर्बादी पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए हरियाणा सरकार से तुरंत स्पेशल गिरदावरी कराकर पीड़ित किसानों को कम से कम 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की।

लाठी-डंडों से हमला करने का आरोपी काबू

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा घर में घुस कर लाठी डंडों से जानलेवा हमला करने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी मातनहेल प्रभारी सत्यवीर ने बताया कि मंजीत निवासी रेढ़ूवास की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान योगेश निवासी रेढ़ूवास के तौर पर की गई है। आरोपी को अदालत में पेश गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीसी ब्लॉक्स लगने से सेक्टर-2 मोड़ पर नहीं होगा जलभराव

लोगों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए पार्षद बलराम दलाल उर्फ मिंटू ने समस्या के निजात के लिए कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई थी। आसपास की कॉलोनियों का पानी यहां आकर ब्लॉक हो जाता था।

पानी भरने से सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो गई थी, लगातार हो रहे थे हादसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लंबे समय से जलभराव की समस्या झेल रहे क्षेत्रवासियों के लिए राहत की खबर है। लोक निर्माण विभाग ने झज्जर रोड पर स्थित सेक्टर-2 मोड़ पर सीसी ब्लॉक लगा दिए हैं। अब यहां से गुजरने वाले लोगों को बरसात के दिनों में जलभराव से मुक्ति मिल जाएगी। पार्षद बलराम दलाल ने इसके लिए विभाग का आभार जताया है। बता दें कि शहर के झज्जर रोड पर आईटीआई से आगे सेक्टर-2 मोड़ पर हमेशा जलभराव की शिकायतें रहती थी। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए पार्षद बलराम दलाल उर्फ मिंटू ने समस्या के निजात के लिए कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई थी। आसपास की कॉलोनियों का पानी यहां आकर ब्लॉक हो जाता था।

पार्षद बोले, नगर परिषद ने नहीं ली सुध

पार्षद बलराम दलाल ने बताया कि नगर परिषद समस्या का समाधान करने में पूरी तरह विफल रही थी। लेकिन जिला प्रशासन की संवेदनशीलता के चलते पीडब्ल्यूडी ने यह काम किया है। लंबे समय से उठाई जा रही आवाज को अब सुनवाई मिली है। उन्होंने अधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि नई व्यवस्था से जलभराव की समस्या समाप्त हो जाएगी। आमजन को मुसीबतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सीसी ब्लॉक लगाने पर अधिकारियों का आभार भी जताया।

जलभराव के कारण हादसों के साथ बीमारियां फैलने का था खतरा

जलभराव के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर गड्ढों में तब्दील हो गई थी। बिना बरसात के भी यहां तालाब नजर आता था। आसपास रहने वालों का जीवन अस्त-व्यस्त था। मच्छरों की भरमार, दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बना रहता था। अब लोक निर्माण विभाग ने इस हिस्से में सीसी ब्लॉक लगाए दिए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सीसी ब्लॉक लगने से सड़क मजबूत होगी और जल निकासी भी आसान होगी। क्षेत्र के लोग आने वाले दिनों में जलभराव की समस्या से पूरी तरह मुक्त हो जाएंगे। वार्डवासी भी इस कार्य से खुश हैं।

ड्रिंक एंड ड्राइव पर 34 वाहन चालकों के चालान

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने और शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। यातायात पर्यवेक्षक अधिकारी एसीपी अखिल कुमार ने बताया कि वाहन चालकों को रात के समय चैक किया गया। जिसमें से ड्रिंक एंड ड्राइव करते हुए जिलेभर में 34 वाहन चालकों के चालान किए गए। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को परेशान करना नहीं बल्कि सेफ ड्राइविंग करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है।

थोड़ी सी लापरवाही बहुत भारी पड़ सकती है

उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही बहुत भारी पड़ती है। इसलिए वाहन चलाते समय नशे का प्रयोग तो बिल्कुल भी न करें। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट 15, ब्लैक फिल्म लगे दो वाहन, ट्रिपल राइडिंग के सात, बिना हेलमेट लगाकर वाहन चलाने पर 15 और अन्य 182 वाहन चालकों सहित कुल 255 वाहन चालकों के चालान किए गए। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों की पालना करने की अपील भी की।

स्कूल के टैलेंट शो में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

डांस में दीप्ति ने पहला स्थान प्राप्त किया

झज्जर। सनराइज हाई स्कूल में विद्यार्थियों के लिए टेलेंट शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहली से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भागीदारी करते हुए अपना टेलेंट दिखाया। निर्णायक मंडल में अध्यापिका सुमन यादव, ज्योति खुराना और पूनम अहलावत शामिल रही। स्पीच प्रतियोगिता परिणामों में पहली कक्षा की छात्रा प्रनिशा राव ने प्रथम व निकिता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डांस में दूसरी से दीप्ति ने पहला, काव्या ने दूसरा और चंचल व जेसिका ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरी से पांचवीं कक्षा तक की इसी स्पर्धा में सनवी पहले, गुंजन दूसरे व हिमांशी तथा छवि तीसरे स्थान पर रही। कविता पाठ में यश ने प्रथम, गुंजन ने द्वितीय तथा रिमांशी व छवि ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरे ग्रुप की डांस प्रतियोगिता में परी पहले, दीक्षा दूसरे तथा दिशा, अंशु व रिहाना संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। गीत गायन में रागनी प्रथम रही।

आईआईएम से एमबीए ने बाद नवींद्र कुमार ने हासिल की एनएलयू बेंगलुरु से मास्टर ऑफ बिजनेस लॉ की डिग्री

झज्जर। एनएलयू बेंगलुरु द्वारा मास्टर ऑफ बिजनेस लॉ का दूसरे वर्ष का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सभी विषय में मिलाकर ए ग्रेड नवींद्र कुमार ने हासिल किया। पिछले वर्ष में सभी विषयों मे बी ग्रेड आया था। अब जो डिग्री एनएलएसआईयू बेंगलुरु द्वारा दी जाएगी वह बी प्लस ग्रेड की मिलेगी। एमबीएल डिग्री पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के साइन होंगे। नवींद्र कुमार ने कहा कि आज के समय में कोई भी पढ़ कर आगे बढ़ सकता है। आज हाइब्रिड लर्निंग का टाइम है। हमें निरंतर पढ़ना चाहिए, क्यूंकि पढ़ाई हमेशा आपको अपडेट रखती है। इससे आपको अच्छी नॉलेज होती है और वह आप बच्चों में शेयर कर सकते हैं। इसके अलावा नॉलेज का समाज की भलाई के लिए भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं।

बोले- पढ़ाई के लिए कोई उम्र नहीं होती

उन्होंने कहा कि पढ़ाई करने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी 2021 से 23 तक आईआईएम रोहतक से एमबीए की थी वह उसमें 90.53% अंक प्राप्त किए थे। अब आईआईएम के साथ-साथ एनएलयू के भी एल्यूमिनी बनने पर बहुत खुशी महसूस हो रही है कि एक किसान का बेटा इस मुकाम तक पहुंच सकता है।

चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में प्रतियोगिता : सिरसा की शाह सतनाम टीम को 9-2 से हराकर पहला स्थान हासिल किया, करनाल तृतीय

हरियाणा स्टेट वाटर पोलो में जींद की लड़कियां जीती

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी में स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में हुई हरियाणा स्टेट वॉटर पोलो चैंपियनशिप में जींद जिले की गर्ल्स टीम ने सिरसा की शाह सतनाम टीम को 9-2 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। करनाल की टीम तीसरे स्थान पर रही। हरियाणा स्टेट वॉटर पोलो प्रतियोगिता में महिलाओं की पांच टीमें और पुरुषों की 8 टीमें मैदान में उतरी थी। हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

उनके अनुसार प्रदेश में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सुविधा देने के लिए सरकार और हरियाणा ओलंपिक संघ एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। आने वाले समय में इसके बेहतर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने बताया कि जींद के पांडू पिंडारा में तैराकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेगी। उन्होंने विजेता टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री, महेंद्र खत्री, शिवानी कटारिया, सुरेश जून, सुनील खत्री, बलवान कादयान, अनिल, साई जाधव, पदमपाल, कृष्णमुरारी और विशाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। खिलाड़ियों से परिचय लेते एचओए अध्यक्ष मीनू बेनिवाल व अन्य।

तीन दिवसीय खेल महोत्सव के समापन पर साइक्लोथॉन

नशा मुक्त-खेल युक्त समाज का संदेश लेकर शहर में निकाली साइकिल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के तीन दिवसीय खेल महोत्सव का समापन रविवार को साइक्लोथॉन के आयोजन के साथ हुआ। जिसमें हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और हरी झंडी दिखाते हुए साइक्लोथॉन को रवाना किया। उन्होंने स्वयं भी साइकिल यात्रा में साइकिल चलाकर नशा छोड़ने और खेल अपनाने का प्रेरक संदेश समाज को दिया। इस दौरान अपने संबोधन में राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन अनुशासन और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेलों को जीवन का हिस्सा बनाएं और नशे से कोसों दूर रहें। उन्होंने कहा कि प्रदेश तेजी से तरक्की कर रहा है।

झज्जर। साइकिल चलाकर नशा छोड़ने और खेल अपनाने का संदेश देते हुए राज्य मंत्री राजेश नागर।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का मान बढ़ा रहे खिलाड़ी

उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का मान बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की साइक्लिस्ट स्वीटी मलिक को भी सम्मानित किया गया। स्वीटी मलिक जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा कर नशामुक्ति का संदेश दे चुकी हैं। सरकार नशे को खत्म करके रहेगी।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे।

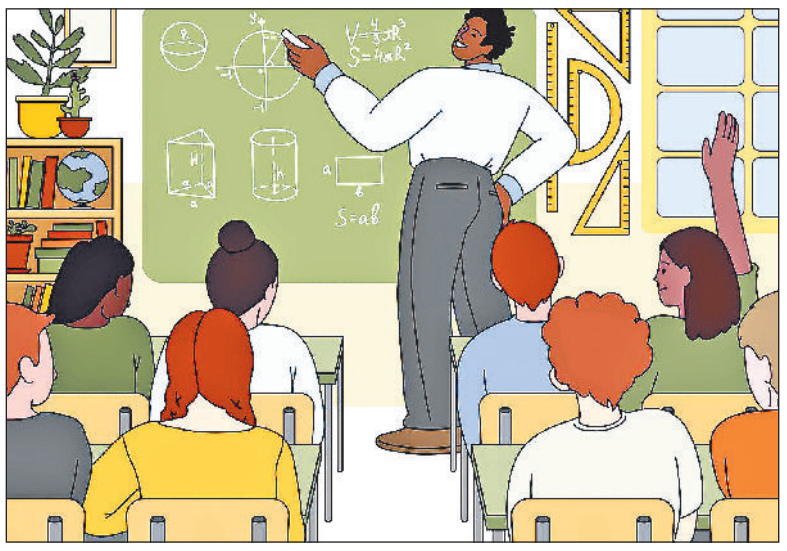

कहानी

मधुकांत

बहुत याद आए मास्टर प्रीतम पाल

अचानक रंजन को प्रिंसिपल के कमरे में बुलाया गया। वहां अपने चाचा को बैठा देख वह चौंक गया। किसी ने कुछ नहीं बताया, बस चाचा उसे अपने साथ घर ले आए। वह हैरान-परेशान था कि कोई उसे कुछ बता क्यों नहीं रहा। घर पहुंचने पर उसे पता चला कि उसके पिता गुलाब राय का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। एक पल में सब कुछ बिखर गया। मां उससे लिपटकर रोने लगीं। अब शोरूम कैसे चलेगा? यह सवाल सामने था।

रंजन का स्कूल जाना मुमकिन नहीं था, इसलिए उसने पढ़ाई छोड़कर दुकान पर जाना शुरू कर दिया। वह मुनीम जी और कारीगर के साथ मिलकर काम करने लगा, पर गणित में कमजोर होने के कारण वह हिसाब-किताब नहीं समझ पाता था। मुनीम बहुत चालाक था। वह रंजन के सभी काम करता और धीरे-धीरे उसे शराब पीने की आदत भी डाल दी। गांव के लोग पापा पर बहुत भरोसा करते थे। वे अपनी फसल बेचकर सारी रकम उनके पास जमा कर जाते, ताकि शादी-ब्याह में गहने और कपड़े आसानी से खरीद सकें। रंजन ने इस बात पर कभी ध्यान नहीं दिया और न ही मुनीम ने उसे समझने दिया। वह आधी-अधूरी बैलेंस शीट देखकर खुश हो जाता, क्योंकि देनदारी वाला पक्ष उसे कभी दिखाया ही नहीं गया था। गणित से पैदाइशी नफरत होने के कारण वह कभी हिसाब देखता ही नहीं था, जो मुनीम बताता, वही सच मान लेता। शोरूम बनाते समय पापा ने बैंक से 50 लाख का लोन लिया था। पापा के जाने के बाद उसकी कोई किस्त जमा नहीं हुई। जब बैंक का कोर्ट नोटिस आया, तो घर में हड़कंप मच गया। दुकान में माल कम था, बाज़ार की देनदारी अलग और ऊपर से बैंक का नोटिस। रंजन पूरी रात मां के साथ चिंता में डूबा रहा। मुनीम और कारीगर भी कई दिनों से दुकान पर नहीं आ रहे थे। उसे पछतावा हुआ, 'काश उसने शुरू से हिसाब देखना शुरू कर दिया होता।' लेकिन देखता कैसे, उसे तो हिसाब का 'जमा घटा' भी नहीं आता था।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल जी की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे। पूरी रात वह रोता हुआ पश्चाताप की आग में जलता रहा। उसे अच्छी तरह याद है, जब उसके पापा गांव से शहर में आकर कारोबार बढ़ाने लगे थे। पापा की गांव में बहुत इज्जत थी। वे गहने बनवाने के लिए शहर के अपने भरोसेमंद कारीगर राजू के पास जाते थे। राजू एक बंगाली कारीगर था। दोनों साथ बैठकर बातें करते, खाना खाते और सुख-दुःख बांटते। गांव जाने के झंझट से बचने के लिए रिश्तेदारों ने भी पापा से राजू की दुकान पर मिलना शुरू कर दिया। पापा ने सोने-चांदी के छोटे आइटम वहीं रखने शुरू कर दिए, और उनकी बिक्री भी वहीं होने लगी। एक दिन दोनों ने साझेदारी में काम करने का फैसला किया। पापा का पैसा और इज्जत, और राजू की कारीगरी मिलकर काम चल निकला। धीरे-धीरे वह राजू की दुकान नहीं, बल्कि गुलाब राय सराफ की दुकान बन गई। काम इतना बढ़ गया कि पापा कई-कई दिन गांव में नहीं जा पाते। यह देखते हुए उन्होंने शहर में किराए का मकान ले लिया और रंजन का दाखिला भी शहर के स्कूल में करवा दिया। कुछ समय बाद पापा ने गांव की ज़मीन बेचकर शहर में एक मकान खरीद लिया। पापा के साथ काम करने वाले राजू कारीगर को शराब की लत थी, और वह अपनी कमाई इसी में बर्बाद कर देता था। पापा के समझाने पर भी वह नहीं मानता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे। खरीदे हुए मकान को तोड़कर पापा ने उसका नया निर्माण करवाया। पहली मंजिल में शोरूम और दूसरी मंजिल में रहने के लिए घर बनाया गया।

हमारी छोटी सी दुकान अब गुलाब राय एंड संस के शोरूम में बदल गई। राजू कारीगर अपनी पुरानी दुकान पर ही काम करने लगा। उन्हीं दिनों रंजन दसवीं कक्षा में पढ़ता था। वह पढ़ाई में बहुत कमजोर था। बाकी विषयों में तो काम चल जाता, पर गणित की घंटी आते ही उसका सिर दर्द होने लगता। गणित के अध्यापक थे प्रीतम पाल। वे अपने विषय के प्रति समर्पित थे। उनकी कक्षा में कोई छात्र अनुपस्थित नहीं होता था। वे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देते थे। वे ज्यादा सज़ा नहीं देते थे, फिर भी हर छात्र उनसे डरता था। इसलिए छात्रों ने उनका नाम मास्टर पीटर पाल रख दिया था। प्रीतम पाल रोज़ होमवर्क चेक करते। जो छात्र एक दिन काम नहीं कर पाता, उसे अगले दिन दो दिन का काम करना पड़ता।

कई बार छात्र दूसरे विषयों की घंटियों में भी उनका होमवर्क करते रहते थे। वे घर पर ट्यूशन नहीं पढ़ाते थे। परीक्षा के पास स्कूल में ही बिना फीस के एक्स्ट्रा क्लास लगाते इसलिए सभी अभिभावक उनका बहुत आदर करते थे। मास्टर पीटर पाल नकल के सख्त दुश्मन थे। जिस कमरे में उनकी ड्यूटी लगती, छात्र माथा पीट लेते। कोई भी छात्र नकल करते पकड़ा जाता, तो वे उसका उत्तर काट देते थे, साथ ही उसे भी सज़ा देते थे जिसने नकल करवाई। वे हर छात्र को जानते थे। किसी कमजोर छात्र के अधिक अंक आते तो वे उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहते। यदि वह हल नहीं कर पाता, तो स्पष्ट हो जाता कि उसने नकल की है और वे उस उत्तर को काट देते थे। इसलिए घरेलू परीक्षाओं में उनके विषय का परिणाम बहुत कम आता, लेकिन बोर्ड परीक्षा में उनका परिणाम हमेशा सबसे अच्छा रहता था। रंजन रोज़ किसी न किसी बात पर उनकी पकड़ में आ जाता। या तो होमवर्क न करने पर, यदि वह किसी की कॉपी से होमवर्क टीप भी लेता, तो उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहा जाता। परीक्षाओं में उसके कम अंक आते तो पापा प्यार से समझाते, 'देख बेटा रंजन, तू हमारा इकलौता लड़का है। अगर तू ठीक से पढ़-लिख नहीं पाएगा, तो इस व्यापार को कैसे संभालेगा?' रंजन कहता, 'आप चिंता न करें, समय आने पर मैं सब संभाल लूँगा। अभी तो मेरी खाने-पीने और खेलने की उम्र है।' पापा समझाते, 'समय का भरोसा नहीं, कब अचानक आ जाए और कब हाथ से निकल जाए। बेटे, एक बात अच्छी तरह समझ ले, जो बच्चा विद्यार्थी जीवन में कठोर परिश्रम कर लेता है, उसका भविष्य सुधर जाता है और जो मौज-मस्ती में रहता है, उसका भविष्य अंधकार में डूब जाता है।' ऐसे कठिन समय में माँ बीच में आकर उसका बचाव कर लेतीं, 'बच्चा है अभी। समय आने पर सब समझ जाएगा।' और वह हँसता-कूदता खेलने निकल जाता।

तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया।

पापा की बातें उन दिनों अच्छी नहीं लगती थीं। काश उसने उन दिनों पापा की बातों को समझ लिया होता। प्रीतम पाल रंजन के पापा को अच्छी तरह जानते थे, इसलिए भी वह उसका विशेष ध्यान रखते थे। वे कहते, 'अरे रंजन, तेरे पापा जी का इतना बड़ा व्यवसाय है। अगर तू गणित नहीं सीख पाया तो अपने कारोबार को कैसे संभालेगा?' अंदर ही अंदर रंजन बुदबुदाता, 'हिसाब तो हमारे मुनीम जी करते हैं। बाकी पैसों का लेन-देन तो मैं कर ही लूँगा', और मास्टर पीटर पाल से पीछा छूटने का इंतजार करता। समान स्वभाव वाले छात्रों में गहरी दोस्ती हो जाती है। रंजन, सोनी, और जॉनी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे। गणित में तीनों का अंडा गोल था। तीनों रोज़ भगवान से दुआ करते, 'हे भगवान, मास्टर पीटर पाल को ज्वर चढ़ जाए, उनकी टांग टूट जाए या उनका तबादला हो जाए।' लेकिन भगवान ने उनकी प्रार्थना कभी नहीं सुनी।

"यार, कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा," सोनी ने कहा।"बात तो ठीक है, रंजन। इस काम को तू ही कर सकता है।"

"सोनी, मैं नहीं कर सकता क्योंकि मास्टर जी मेरे पापा को अच्छी तरह जानते हैं।"

"तो जॉनी, तुम करो। बस एक बार बेहोश होकर कक्षा में गिर जाना। फिर सारे स्कूल में हंगामा हम कर देंगे।"

"ठीक है, मैं ही बकरा बनूँगा, पर कोई गड़बड़ हो तो तुम सब संभाल लेना।"

"तू चिंता मत कर," तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया, 'मास्टर प्रीतम पाल की पिटाई से जॉनी बेहोश हो गया!' स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। प्रीतम पाल से ईर्ष्या करने वाले अध्यापक और उनसे सताए गए छात्रों ने मिलकर हंगामा कर दिया। कुछ अभिभावक भी स्कूल में घुस आए। प्रिंसिपल के हाथ से व्यवस्था बाहर हो गई, तो उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस ने आकर मामला संभाला। जॉनी को अस्पताल भेजा गया और मास्टर प्रीतम पाल को पुलिस की गाड़ी में बिठाकर उनके घर भेज दिया गया।

शिक्षा विभाग में प्रीतम पाल की बड़ी इज्जत थी, इसलिए उन पर कोई खास कार्रवाई तो नहीं हुई, पर सज़ा के रूप में उनका तबादला कर दिया गया। सबसे ज़्यादा खुशी रंजन और उसके दोस्तों को हुई। उसी दिन से वह भूल गया कि उसे गणित की परीक्षा भी देनी है। आज जब सब कुछ बर्बाद हो गया, तब उसे गणित के महत्व का पता चला। अपनी गलतियों को याद करके वह फूट-फूट कर रोने लगा। माँ ने उसके आँसू पोंछे, तो वह फफक पड़ा, "माँ, हमने अपने गणित के अध्यापक प्रीतम पाल के साथ जो दुर्व्यवहार किया था, यह सब उसी का नतीजा है।"

"बेटे, जो समय हाथ से निकल गया, उस पर पछतावा करने से क्या फायदा? तेरे पापा भी तुझे मेहनत करने को कहते थे, तो मैं तुम्हारा गलत साथ देती थी। इसमें मेरा भी दोष है। खैर, बेटा, अब हम दोनों मिलकर मेहनत करेंगे और सब ठीक कर लेंगे।"अगले दिन माँ ने गुलाब राय के एक पुराने मित्र को बुलाया। उन्होंने दुकान के हिसाब की जाँच की और बताया, "भाभी, मुनीम और कारीगर ने मिलकर सब धोखा किया है। बेटे रंजन, फिलहाल मैं अपनी दुकान से एक कारीगर भेज देता हूँ। आखिर काम तो तुम्हें ही संभालना पड़ेगा। अभी तो मैं भी हर महीने आकर हिसाब चेक कर जाऊँगा।"

मां ने दुकान की इज्जत बचाने के लिए अपने सभी गहने निकाल कर दे दिए। दुकान की साख बच गई। रंजन ने एक पुराने ग्रुप फोटो से काटकर अपने गणित अध्यापक प्रीतम पाल का चित्र अपने पूजा घर में रख लिया और उसी दिन से दुकान का सारा हिसाब खुद करने लगा।

लघुकथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर का भोज

घुमंतू आज फिर पुराने परिचय की गली में जा पहुँचा। सुमन की मुस्कुराहट अब भी वही थी, पर आँगन की रंगत और आत्मा जैसे फीकी पड़ गई थी।

'अरे घुमंतू भैया! आओ, देखो जरा आजकल की मेरी सफाई मुहिम कैसी चल रही है!'

सुमन ने जैसे स्वागत नहीं, एक समय के युगांत का मंजर दिखाया हो। बरामदे में ढेर सारी क्रॉकरी, चीनी मिट्टी के प्लेट, बेल्जियम के गिलास, तांबे की थालियाँ, चुपचाप अंतिम विदाई के इंतजार में थीं।

'इतना सब बाहर क्यों रख रखा है?'

घुमंतू ने पूछा तो सुमन की आवाज में एक थकी हुई मुस्कान तैर गई।

'अब किसके लिए रखूं? कौन आता है अब घर? जो भी आता है, होटल में ही ले जाते हैं। पहले लोग कहते थे – 'आपके घर जैसा खाना कहीं नहीं मिला', अब मेहमान के आते ही पूछते हैं – 'किस होटल में चलें?' अब घर का भोज बोझ लगता है।'

घुमंतू चुप रहा। भीतर जाकर देखा, पुराने भारी पतीले, देगचियाँ, पूड़ियों के लिए बड़ी कढ़ाही, यहाँ तक कि अचार डालने वाले मटके भी कोने में सिसक रहे थे।

'इनका क्या कर रही हो?'

'दे रही हूँ कामवालियों को। अब ना कोई कथा होती है, ना कीर्तन, ना तीज, ना त्योहार। न कोई बिरादरी का भोज, न रसोई की रौनक। अब हर उत्सव फार्महाउस में, हर रस्म होटल में।'

घुमंतू की आंखों के सामने एक दृश्य तैर गया- चूल्हे पर चढ़ी खीर, पिछवाड़े में सूखते पापड़, और गेट पर खड़ी अम्मा कहती,

'ठहरो बेटा, पहले कुछ खा लो।' अब कोई नहीं कहता।

कविता

मनोज कुमार वशिष्ठ

बचपन

कितना अबोध होता है बचपन
कोमल सा, निर्मल सा
बेरंग पावन जल सा
अबोध सा, अन्जान सा
बचपन होता है निश्छल सा
कितना अबोध होता है बचपन ?

कितना सुन्दर होता है बचपन
जैसे हो पुष्पों का उपवन
व्योमपुंज हो उठता कम्पित
जब करता है ये क्रन्दन
कितना अबोध होता है बचपन ?

बचपन में होती है कितनी मधुरता
जब सावन में वर्षा का पानी बरसता
मन कागज की नाव पर सवार
कल्पित संसार को करता पार
कितना अबोध होता है बचपन ?

कैसा अद्भुत होता है बचपन
ना कपट, ना उलझन
भ्रष्ट राजनीति के जग में नहीं
प्रकृति के साथ खेलता हुआ
कितना अबोध होता है बचपन ?

उर नर-निर्माता के सिंहासन पर
अगर उसकी जगह रमैश होता
इस जग में बच्चों की भांति
हर जन को अबोध बना देता
कितना अबोध होता है बचपन ?

कविता

राज ख्यालिया

भोलेनाथ शरण में आए

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ,भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

जटाजूट से बहती गंगा,
शशि मुकुट पर दीप जले।
त्रिनयन में तेज समाया,
हर अंधियारा क्षण में पले॥
स्मरण करूँ मैं नाम तुम्हारा,
हर साँस बने उजियारा॥

डमरू की वो धुन सुहानी,
बजती अंतरमन में मेरे।
भस्म रमाये तन पे जो,
वो सत्य बसे हैं हृदय में मेरे॥
नंदी की गूंज बुलाती,
भोले अब देर न कीजे॥

काल भी डरे जिनके आगे,
मृत्यु भी जिनसे घबराए।
विष पिया, सृष्टि को बचाया,
करुणा का अमृत लुटाए॥
तेरे चरणों में ही जीवन,
तुझ बिन सब शून्य हो जाये॥

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार राजपाल यादव का कहना है कि लेखकों को राष्ट्रवाद को मज़बूत करने, देश की अस्मिता व गौरव को क़ायम रखने के लिए निर्भीकतापूर्वक कलम चलानी होगी। इसके लिए आपसी ईर्ष्या, जातिवाद और भाई भतीजावाद को छोड़कर कंधे से कंधा मिलाकर देशहित में काम करने की आवश्यकता है। वहीं, युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करके उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देना होगा।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य सृजन से मातृ भाषा की सच्ची सेवा संभव : राजपाल यादव 'राज'

साहित्य के क्षेत्र में लेखन करने वाले साहित्यकार विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज, संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही रचनाकारों में एक हैं हरियाणा के राजपाल यादव, जिन्होंने सरकारी नौकरी के दौरान दूसरे प्रदेशों में रहते हुए भी अपनी काव्य साधना से देशभर में हरियाणा राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने साहित्य साधना के दौरान हिंदी भाषा के प्रसार-प्रचार के लिए एक अनूठे हिंदी सेवा रचनाकार के रुप में पहचान बनाई है और सेवानिवृत्ति के बाद भी साहित्य सृजन में जुटे हुए हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में उन्होंने अपने साहित्यक सफर के बारे में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य सृजन के माध्यम से मातृभाषा की सच्ची सेवा करना संभव है।

हरियाणा के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव का जन्म 19 फरवरी 1960 को रेवाड़ी जिले के नाहड़ खण्ड क्षेत्र के गांव जुड्डी में एक किसान परिवार में प्रभाती देवी तथा पिता रिसाल सिंह के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था और न ही परिवार में कोई साहित्यिक रुचि वाला सदस्य रहा, लेकिन उनके पिता गांव के सबसे शिक्षित पुरुषों में शामिल थे, जिनके गुण उनमें आना स्वाभाविक था। उनके पिता भारतीय सेना की एजुकेशन कोर में अधिकारी रहे। उनका बचपन गांव में ही बीता और प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई और बाद में वह पिता की पोस्टिंग स्थल नसीराबाद, दिल्ली, झाँसी और जोधपुर भी रहे। इनकी स्कूली शिक्षा नसीराबाद व झाँसी में हुई, फिर उन्होंने उच्च शिक्षा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से हासिल की। जबकि स्नातकोत्तर की डिग्री उदयपुर विश्वविद्यालय राजस्थान प्रथम श्रेणी में हासिल की और कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में द्वितीय स्थान पर रहे। बकौल राजपाल यादव राज, उनके साहित्यिक सफ़र की शुरुआत कॉलेज के ज़माने में ही हो गई थी, जब उन्होंने दो कहानियाँ 'बड़ी बहू' और 'मंझली बहू' शीर्षक से लिखी, जो कॉलेज की वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। सरकारी सेवा में आने के बाद उनके साहित्य सफर में नया मोड़ उस समय आया, जबकि कारगिल युद्ध के दौरान उनकी पोस्टिंग धनबाद (झारखंड) में थी। उन्होंने उस समय ओज की रचनाएँ लिखीं, जो स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से छपती थीं। उसके बाद ही वर्ष 2001 में उनका प्रथम काव्य संग्रह 'आँच न आने देंगे' प्रकाशित हुआ। धनबाद में सरकारी महारत्न संस्थान कोल इंडिया लि. की अनुसंगी कंपनी भारत कोकिंग कोल लि. के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) के पद पर रहते हुए उन्होंने सरकारी विभागों व कंपनी की सरकारी पत्रिकाओं के संपादन का दायित्व निभाया तथा हिंदी सप्ताह व पखवाड़े से जुड़े कार्यक्रमों का जीवंत संयोजन किया। वहीं उन्होंने सैकड़ों सरकारी हिंदी कार्यशालाओं में व्याख्यान व प्रशिक्षण दिया है। वह कवि सम्मेलनों का संचालन व अध्यक्षता करते हुए अनेक साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। वह गद्य और पद्य की सभी विधाओं में लेखन करते आ रहे हैं यानी गीत ग़ज़ल दोहे मुक्तक माहिया छंद हाइकु हास्य-व्यंग्य लघुकथा आदि विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। उनका वीर रस की रचनाओं पर अधिक फोकस रहता है। वहीं हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कई गीत, दोहे, मुक्तक आदि विधाओं में रचनाएं लिखी हैं और हरियाणा सरकार की साहित्यिक पत्रिका हरिगंधा में उनके दोहे और हरियाणवी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हिंदी सचिवालय मारीशस, आबू धाबी दुबई तथा यूएसए में कई बार काव्य पाठ किया और सम्मान हासिल किया। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव 'राज' का आधुनिक युग में साहित्य के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि आज साहित्य दोराहे पर खड़ा है, जहाँ एक तरफ़ प्रिंट मीडिया, तो दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है। वहीं इस इंटरनेट व डिजिटल युग में पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने वाले पाठक कम हो रहे हैं, किंतु साहित्य आज भी सामाजिक जागरूकता पैदा करने कुरीतियां समाप्त करने और निरंकुश होती सत्ता को ललकारने, शोषक का विरोध करने और शोषित को सहारा देने का कार्य कर रहा है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से काव्य संग्रह-आँच न आने देंगे, आगत का स्वागत, कविताओं में कोल इंडिया और हम, एक और दस्तक, तथा अभी थका नहीं हूँ मैं शामिल हैं। इसके अलावा उनके 32 साझा काव्य संग्रह भी प्रकाशित हुए हैं। काव्य जगत की प्रथम कॉफ़ी टेबल बुक 'शब्दों के सारथी' एवं एक विश्व हाइकु कोश में भी उनकी सहभागिता रही। हरियाणा साहित्य अकादमी की पत्रिका हरिगंधा सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं।

राजपाल यादव 'राज'

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल यादव को हिंदी साहित्य शिखर मानद उपाधि सम्मान, भारतेंदु राजभाषा साहित्य शिरोमणि सम्मान, हिंदी साहित्य भूषण सम्मान, राष्ट्र गौरव साहित्य सम्मान, एकलव्यम साहित्य सम्मान, शान-ए-अदब सम्मान, काव्य श्री सम्मान, हिमालयन रत्न सृजन सम्मान, राष्ट्रीय एकलव्यम गौरव सम्मान, हिमालयन भाषा सारथी सम्मान, वात्सल्य गौरव सम्मान, शब्द सारथी सम्मान, देवप्रभा साहित्य सम्मान, संत तुलसीदास साहित्य सम्मान, संत कबीर सम्मान, शंकर दयाल सिंह प्रतिभा सम्मान एवं साहित्य शिल्पी सम्मान से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : राजपाल यादव 'राज'
जन्मतिथि : 19 फरवरी, 1960
जन्म स्थान : गांव जुड्डी, रेवाड़ी (हरियाणा)
शिक्षा: स्नाकतोत्तर, एलएलबी
संप्रति: लेखक, साहित्यकार, वरिष्ठ कवि एवं सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (बीसीसीएल, धनबाद)

'छोटी सी दुनिया' का दायरा बहुत बड़ा

पुस्तक : छोटी सी दुनिया
लेखक : ज्ञान प्रकाश विवेक
मूल्य : 425/-रुपये
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

नवरत्न

कुछ किताबें महज़ किताबें ही नहीं होती, वो किताब लगती भर हैं, वो कुछ और होती हैं। जिंदगी या फिर जिंदगी से भी बड़ी..। ज्ञान प्रकाश विवेक के कहानी संग्रह 'छोटी सी दुनिया' में यूं तो बारह कहानियां हैं, लेकिन एक-एक कहानी इतने बड़े स्पेस में कही गई है कि कुछ भी कहते नहीं बनता। यूं कहें कि ये कहानियां बारह दुनियाएं हैं... एक-एक दुनिया.. एकदम जुदा... एक-एक दुनिया एकदम अलहदा। एक और खास बात कि कहानियों का वॉल्यूम बहुत ही डाउन है और बात का वॉल्यूम जितना ही कम होता है, बात उतनी ही गहरे तक जाती है। चीखती, दहाड़ती कहानियों पर तो खूब चीखा दहाड़ा जा सकता है लेकिन यहां तो गहरा मौन और सन्नाटा पसरा पड़ा है। ताज्जुब होता है कि भाषा में मौन को भी कहा जा सकता है। लंबे समय तक एकांत और चुप्पी से ही शायद यह कला विकसित होती होगी। असल में भाषा की भी अपनी सीमाएं हैं। जब बारीक कहना होता है तो शब्द हाथ खड़े कर देते हैं। फिर लेखक निजी अनुभव और प्रतीकों का इस्तेमाल करता है। कहानियों में जगह-जगह प्रतीकात्मकता बिखरी पड़ी है और यही प्रतीकात्मकता कहानियों की ताकत है। मानवीकरण की नाव में प्रतीकों के फूल... पाठक की अंतस चेतना को ऊपर ले आते हैं और वाचाल मन दुम दबाकर भाग जाता है। एक गहरे आत्मावलोकन से गुजर कर पाठक गहरे आत्मालोचन से गुजरता है और यही आत्म आलोचन उसकी आत्मा को संतुष्टि प्रदान करता है। 'खत' कहानी का एक वाकया देखें...

'याद'... जैसे जिंदगी के बंद कमरे में दर्द की अगरबत्ती जल रही हो। मैं बंद कमरे में हूं अकेला ..अकेला और चुप। मैं और मेरे साथ निहत्थी खामोशी। मैं और मेरे साथ मेरी उंगली पड़कर खड़ा मेरा साया, जो दिखाई नहीं देता लेकिन वह है जरूर... मैं उठकर खिड़की तक आया हूं। आसमान खाली है मेरी तरह। वक्त की खुदगर्ज चील उड़ कर जा रही है। उसकी चोंच में फड़फड़ाता लम्हा होगा! किसी जिंदा परिंदे जैसा। आसमान का चेहरा और मेरा चेहरा दोनों एक जैसे नजर आते हैं। शायद आसमान भी उदास है मेरी तरह। ऐसा लगता है वह अपनी किसी कहकशां को ढूंढ रहा है जैसे कि मैं। सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन की कहानी पढ़ने में यदि मजा आता है तो ये कहानियां जरूर पढ़ें वरना चूक जाएंगे ....और ज्ञान प्रकाश विवेक के लिए तो दुआ ही कर सकते हैं कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें। वाणी प्रकाशन को ढेरों शुभकामनाएं एक बेहतरीन प्रकाशन के लिए ...।

खबर संक्षेप

झज्जर। शिविर में रक्तदान करते हुए युवा। फोटो :हरिभूमि

कैंसर पीड़ितों की सहायतार्थ 81 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। क्षेत्र के गांव माजरा-डी में कैंसर पीड़ितों की सहातार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्त एकत्रित करने का कार्य एम्स बाढ़सा की रक्त कोष टीम द्वारा किया गया। रक्त यूनिट मुख्य रूप से कैंसर पीड़ित मरीजों की मदद के लिए उपयोग में लाई जाएंगी। ग्राम सरपंच विनोद कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया। शिविर में कुल 81 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर आशा वर्कर रीना, विकास धनखड़, मनोज लाखा, केशव, मंदीप, सागर, जयदीप, जसवंत, हेमंत कुमार, हन्नु, रीना, पवित्रा, सोनू, अभिषेक, नीरज सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सुबह से लेकर शाम तक पंडालों में भजन-कीर्तन के साथ हुए धार्मिक आयोजन

श्रद्धा के साथ मनाया गणेश उत्सव

■ शहर के विभिन्न मोहल्लों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं रखी गई हैं, जहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रह रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गणेश उत्सव का पर्व बहादुरगढ़ में श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से लेकर शाम तक पंडालों में भजन-कीर्तन के साथ ही धार्मिक आयोजनों से रौनक बढ़ गई है। जगह-जगह सजे भव्य पंडाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। शहर के विभिन्न मोहल्लों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं रखी गई हैं, जहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रह रहा है।

बता दें कि पिछले पांच दिनों से नगर में गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। सुबह सूर्य की किरणों के निकलने के साथ ही पंडालों में शंखनाद व घंटे-घड़ियालों की गूंज माहौल को भक्तिमय बना रही है। वहीं दिन ढलते ही रंग-बिरंगी लाइटों से पूजा स्थल जगमग हो जा रहा है, तो पंडालों में भगवान के दर्शन व पूजन के लिए असंख्य श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। मेन बाजार में स्थित बालक हितेषी सेवा समिति द्वारा रविवार को हवन व भंडारा किया गया। इस दौरान 251 किलो दूध से गणेश जी का अभिषेक किया गया। वहीं लाइनपार स्थित श्री शिव सेवा समिति के सदस्यों ने रविवार को गणपति प्रतिमा के विसर्जन से पहले नगर परिक्रमा निकाली। मधुर भजनों के बीच श्रद्धालु रंग गुलाल उड़ाते हुए नगर परिक्रमा में शामिल हुए। वार्ड-5 के शिव मंदिर बगीची के पास से परिक्रमा यात्रा शुरू हुई। यह यात्रा हरी नगर, फ्रैंडस कॉलोनी, जौहरी नगर, वत्स कॉलोनी से निकाली गई।

बहादुरगढ़। मेन बाजार में हुए भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु, राधा रानी का अभिषेक करते राकेश जून व अन्य। फोटो :हरिभूमि

एचएल सिटी मंदिर में राधा-कृष्ण की प्रतिमाएं हुई प्रतिष्ठित

बहादुरगढ़। नगर के एचएल सिटी में नवनिर्मित मंदिर में रविवार को राधा-कृष्ण की भव्य प्रतिमाओं का प्रतिष्ठा समारोह विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून के कर कमलों से संपन्न इस धार्मिक अनुष्ठान में नगर व आसपास के गांवों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। दरअसल, रविवार सुबह मंगला आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद आचार्य पंडितों की टोली ने वैदिक रीति से प्रतिमाओं का पंचामृत स्नान, जलाभिषेक और विशेष पूजन कराया। शंख-घंटों की गूंज और हर-हर जयकारों के बीच जब राधा-कृष्ण की नई प्रतिमाओं को मंदिर में स्थापित किया गया तो वातावरण भक्तिमय हो उठा। एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने बताया कि नई प्रतिमाओं के प्रतिष्ठान के साथ मंदिर की धार्मिक गरिमा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण करते हैं और लोगों को भारतीय संस्कृति से जोड़े रखते हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्र में यहां देवी मां की प्रतिमा प्रतिष्ठित की जाएगी। समारोह में अनेक गणमान्य व्यक्तियों और संत महात्माओं ने भी शिरकत की। प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भजन-कीर्तन में भाग लिया। कीर्तन मंडलियों द्वारा गाए गए भजनों पर भक्त भाव-विभोर होकर झूम उठे। इस अवसर पर महिलाओं ने मंगलगीत गाए और युवाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर प्रांगण देर शाम तक भक्ति रस और श्रद्धा से सराबोर रहा।

सेक्टर-6 में पौधरोपण के साथ चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-6 कम्युनिटी सेंटर में रविवार को पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सहयोग से हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल ऑफिसर शैरेंद्र अरोड़ा, पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा, आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान जयपाल सांगवान आदि ने पौधरोपण किया और स्वच्छता अभियान संचालित किया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एचएसपीसीबी द्वारा बैनर भी सेक्टर-6 की प्रमुख जगहों पर लगाए गए। इन फ्लैक्स में स्वच्छता और हरियाली से जुड़े संदेश लिखे गए हैं। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में सेक्टरवासियों ने भाग लिया और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधे लगाए। वहीं, स्वच्छता अभियान के तहत सेक्टर-6 कम्युनिटी सेंटर परिसर और आसपास के इलाकों की सफाई की गई। एचएसपीसीबी के आरओ शैलेंद्र अरोड़ा ने सामाजिक संस्थाओं और जागरुक लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे पर्यावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल को जिम्मेदारी बनाएं। वरिष्ठ नागरिकों ने भी युवाओं को स्वच्छता व हरियाली के महत्व पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने संकल्प लिया कि क्षेत्र को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए समय-समय पर ऐसे अभियानों में भागीदारी करेंगे।

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 कम्युनिटी सेंटर में पौधे लगाते नागरिक, पार्षद व अधिकारी।

रेहड़ी-फड़ी वालों ने स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया विशेष अभियान

■ साफ-सुथरा वातावरण न केवल ग्राहकों को आकर्षित करता है, बल्कि बीमारियों से बचाव में भी मददगार होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले में हरियाणा शहरी स्वच्छता अभियान के तहत लगातार सफाई व जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्वच्छता का माहौल बनाने के लिए नगर निकाय कर्मचारी सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। स्वच्छता अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए जन सहभागिता के साथ पौधरोपण भी किया जा रहा है। इसके अलावा बाजारों में रेहड़ी-फड़ी लगाकर अपना व्यवसाय करने वाले लोगों को भी स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर निकाय की ओर से विशेष टीम बनाकर उन्हें यह संदेश दिया जा रहा है कि साफ-सुथरा वातावरण न केवल ग्राहकों को आकर्षित करता है, बल्कि बीमारियों से बचाव में भी मददगार होता है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि स्वच्छता को लेकर जिले को अग्रणी बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे नगर निकायों का सहयोग करें और अपने आसपास की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

झज्जर। रेहड़ी-फड़ी लगाकर व्यवसाय करने वालों को जागरूक करते हुए नप टीम।

मैथ क्विज में रामनुजन व बोस हाउस के छात्र रहे प्रथम

■ प्रतियोगिता परिणामों में नौवीं कक्षा में रामानुजन हाऊस ने 18 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पेस समूह द्वारा विद्यार्थियों के बीच मैथ क्विज का आयोजन किया गया। समूह के निदेशक जय विकास ने बताया कि नौवीं व दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता परिणामों में नौवीं कक्षा में रामानुजन हाउस ने 18 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीवी रमन हाउस 16 अंकों के साथ द्वितीय व बोस हाउस 14 अंक के साथ तृतीय रहा। इसके अलावा चंद्रशेखर हाउस के विद्यार्थियों ने 9 अंक प्राप्त किए। प्रथम स्थान के विजेता प्रतिभागियों में अवि, आर्यन और मुकुल शामिल रहे। दसवीं कक्षा में बोस हाउस की टीम के सदस्य हर्षित, भानवी व रमन ने 23 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीवी रमन हाउस 22 अंकों के साथ द्वितीय तथा चंद्रशेखर हाउस 21 अंकों के साथ तृतीय रहा। इसके अलावा रामानुजन हाउस ने 19 अंक हासिल किए। समूह निदेशक जयविकास, प्रबंध निदेशक हरीश, अश्वनी, शैक्षणिक समन्वयक विजय राणा, गतिविधि प्रभारी मोनिका वत्स, हाउस इंचार्ज ज्योति, दीपिका, साक्षी, शालिनी और गणित शिक्षक नीरज द्वारा प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

झज्जर। निदेशक जय विकास के साथ विजेता टीम के विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

पीटीएम में अभिभावकों ने अध्यापकों के प्रयासों की जमकर की सराहना

■ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच मजबूत साझेदारी होना अत्यंत आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में रविवार को नर्सरी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए पीटीएम का आयोजन किया गया। अभिभावकों ने पीटीएम में अपने बच्चों के प्रदर्शन पर शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की।

शिक्षकों ने भी छात्र की प्रगति रिपोर्ट, उनकी खूबियां और उन क्षेत्रों पर विस्तार से बात की, जहां उन्हें और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

अभिभावकों ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच मजबूत साझेदारी होना अत्यंत आवश्यक है। इस पीटीएम की सफलता से यह साबित होता है कि हम सभी एक ही लक्ष्य की ओर मिलकर काम कर रहे हैं।

झज्जर। अपने बच्चे की शैक्षणिक रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

अभिभावकों ने ली बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में परियोडीक टेस्ट के परिणाम को लेकर प्री-नर्सरी से नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पीटीएम का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए पीटी-टू परीक्षा को लेकर रिपोर्ट तैयार की गई, जिसका परिणाम अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मीटिंग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर अभिभावकों द्वारा शिक्षकों को सुझाव भी दिए गए। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने अभिभावकों को पीटीएम की सार्थकता के बारे जानकारी दी। स्कूल डायरेक्टर जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया, भविष्य दहिया ने बताया कि इस प्रकार की मीटिंग विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के लिए आवश्यक है। इस मौके पर रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, अमित लोहचब, संजीत सांगवान, मुकेश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। पीटीएम में शिक्षकों से बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक।

शिक्षकों से मिलकर अभिभावकों ने की शैक्षिक गतिविधियों पर चर्चा

■ अभिभावकों को बच्चों के अनुशासन, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में रविवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। पीटीएम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने की। स्कूल प्राचार्या श्वेता कौशिक ने बताया कि पीटीएम में सबसे पहले अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी दी गई। इसके बाद शिक्षकों द्वारा विद्यालय में चल रही शैक्षिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर चर्चा की गई। अभिभावकों को बच्चों के अनुशासन, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों को बताया कि उनके स्कूल में शीघ्र ही ब्रेन मैपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा, जिसका रजिस्ट्रेशन सितंबर माह से शुरू हो जाएगा। अक्टूबर में लागू होने वाले इस प्रोजेक्ट से विद्यार्थियों के टेलेंट का पता पाएगा कि उसे करियर बनाने के लिए किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विद्यालय और अभिभावक मिलकर ही बच्चों का भविष्य संवार सकते हैं।

झज्जर। शिक्षकों से मिलकर अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा लेते हुए अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

शहर की रहणिया कालोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

251 पौधे रोपित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर की रहणिया कालोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में रविवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जटेला धाम के महंत राजेंद्र दास ने किया। 251 पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दूषित होते जा रहे पर्यावरण के चलते वर्तमान में पौधरोपण बहुत जरूरी हो गया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे पौधरोपण करने के साथ-साथ रोपे गए पौधे पालन-पोषण की भी जिम्मेवारी लें। पेड़-पौधे केवल हमारे पर्यावरण का आधार ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और जीवन का उपहार भी हैं। इसलिए हमें इन्हें अपने परिवार की तरह संजोना चाहिए। इससे प्रेरित होकर मौजूदा जनसमूह ने पौधों को परिवार की तरह अपनाने और उनके संरक्षण की शपथ ली। इस मौके पर नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी, पूर्व मंडलाध्यक्ष केशव सिंगल, नगर पार्षद जयपाल सिंह बांगड , मिशन छाया के संयोजक धर्मेंद्र बसवाल, मास्टर कृष्ण, महावीर शर्मा, सुरेश कादियान, रघुवीर थानेदार, संदीप राठी, पुनीता देवी, सुनीता, पुष्पा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान शहरवासियों के साथ उपस्थित महंत राजेंद्र दास एवं अन्य।

- कार्यक्रम का शुभारंभ जटेला धाम के महंत राजेंद्र दास ने किया
- दूषित होते जा रहे पर्यावरण के चलते वर्तमान में पौधरोपण बहुत जरूरी हो गया
- पौधरोपण करने के साथ-साथ रोपे गए पौधे का पालन-पोषण की जिम्मेवारी लेने का आह्वान किया
- पेड़-पौधे केवल हमारे पर्यावरण का आधार ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और जीवन का उपहार भी हैं

बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा में तेजस्वी प्रथम

झज्जर। बीएड प्रथम वर्ष की होनहार छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

डीएच लारेंस कॉलेज ऑफ एजूकेशन फॉर वूमेन में बीएड प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। संस्थान के चेयरमैन रमेश रोहिल्ला ने बताया कि परीक्षा परिणामों में संस्थान की छात्रा तेजस्वी ने 700 में से 540 अंक लेकर कॉलेज में टॉप किया। इसके अलावा छात्रा खुशी 700 में से 537 अंक लेकर द्वितीय तथा पूजा 700 में से 534 अंकों के साथ तृतीय रही। इस उपलब्धि पर उन्होंने कॉलेज स्टाफ सदस्यों व अभिभावकों को बधाई देते हुए उत्तीर्ण छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

बादली कॉलेज का रजत जयंती समारोह आज

बहादुरगढ़। बादली के चौ. धीरपाल राजकीय महाविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार 1 सितंबर को रजत जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य आनंद काद्यान ने बताया कि बादली महाविद्यालय से पास-आऊट अनेक विद्यार्थी आज उच्च पदों व सरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं। इस अवसर पर एलुमनी मीट भी आयोजित की जाएगी।

जोधपुर में हुए कार्यक्रम में की शिरकत

बहादुरगढ़। राजस्थान के जोधपुर स्थित सैनी संस्थान में आयोजित 128वें स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में भाजपा नेता जसबीर सैनी ने भी शिरकत की। उन्होंने जोधपुर एयरपोर्ट पर सीएम नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। जसबीर ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया। उनके साथ रोहित सैनी, जीवन सैनी व अतरे सैनी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पीएम मोदी की मां पर की गई अमर्यादित टिप्पणी का विरोध

भाजपाइयों ने राहुल गांधी का फूंका पुतला

बिहार में राहुल गांधी की उपस्थिति में जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर अमर्यादित टिप्पणी की गई है उससे पूरे देश की महिलाएं आहत है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में रविवार को भाजपाइयों ने शहर के पंचनद चौक पर राहुल गांधी का पुतला फूंक कर रोष प्रकट किया। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुनीता दांगी ने राहुल गांधी से देश की महिलाओं से माफी मांगने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार में राहुल गांधी की उपस्थिति में जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर अमर्यादित टिप्पणी की गई है उससे पूरे देश की महिलाएं आहत है। उन्होंने कहा कि इसका जवाब राहुल गांधी व उनकी पार्टी को बिहार चुनाव में मिल जाएगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सोमवती जाखड़, संजय कबलाना, जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। शहर के पंचनद चौक पर राहुल गांधी का पुतला फूंकते हुए भाजपाई।

बहादुरगढ़। राहुल गांधी का पुतला फूंकते शेखर कौशिक व अन्य।

राहुल गांधी का पुतला दहन किया

बहादुरगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के संबंध में अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में भाजपाइयों ने रविवार को सेक्टर-2 में प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। शेखर दिनेश कौशिक की अगुवाई में राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। शेखर कौशिक ने कहा कि राजनीति में मतभेद और विरोधाभास होना स्वाभाविक है। लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर इस तरह की अभद्र टिप्पणियां करना निंदनीय और शर्मनाक है। दलेल काजला, प्रवीन भारद्वाज, विकास सोलधा, प्रेम राणा, दीपक अहलावत, प्रदीप निलोठी, करण बराही, अनिल कानौंदा, सोनू छिकारा व रवि कौशिक आदि ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

झज्जर। सिचांई विभाग के रेस्ट हाउस में मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए राज्य मंत्री राजेश नागर। फोटो : हरिभूमि

राज्यमंत्री ने सुना प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम

झज्जर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का सीधा प्रसारण रविवार को स्थानीय सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में आयोजित हुआ। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने कार्यक्रम को सभी उपस्थित जनों के साथ सामुहिक रूप से सुना। मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जन-जन से सीधा संवाद है। प्रधानमंत्री इस माध्यम से देशवासियों की भावनाओं को जोड़ते हैं और समाज के हर वर्ग को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करना, आपदा राहत कार्यों की सराहना करना तथा अपनी मेहतन के दम पर देश का नाम रोशन कर रहे खिलाड़ियों से बातचीत कर देश से उनके संघर्ष व मेहनत से अवगत करवाया।

डॉ. पंकज जैन ने सुनीं प्रधानमंत्री के मन की बात

बहादुरगढ़। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित मन की बात कार्यक्रम के 125वें संस्करण को शहर के पटेल नगर में सुना। जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश की छुपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें सम्मान और प्रोत्साहन दे रहे हैं। डॉ. पंकज जैन ने कहा कि मन की बात से देशवासियों को नई प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यह कार्यक्रम आम नागरिकों में समाजहित और राष्ट्रहित के कार्यों में आगे बढ़ने की भावना जगाता है। प्रधानमंत्री ने इसके जरिए स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, फिट इंडिया मूवमेंट और 'लोकल फॉर वोकल' जैसे जनआंदोलनों को जन-जन तक पहुंचाया है। इन अभियानों में करोड़ों लोग शामिल होकर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। मन की बात से न केवल आम लोगों को प्रेरणा मिलती है बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं को भी पार्टी, राष्ट्र और समाज की सेवा में अधिक समर्पित होकर काम करने का संकल्प मजबूत होता है। डॉ. पंकज जैन के अनुसार मन की बात ने समाज में सकारात्मक सोच, राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना को प्रबल किया है। वे प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात कर समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं और देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने के सपने को साकार करें।

भाजयुमो ने भी सुनीं पीएम के मन की बात

बहादुरगढ़। भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने रविवार को सेक्टर-2 स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना। युवा कार्यकर्ताओं ने पीएम की बातें बड़े ध्यान से सुनीं। नवीन बंटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम देश के नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला साबित हुआ है। यह जनमानस को जोड़ने के साथ ही समाज में नई ऊर्जा और जागरूकता का भी संचार करता है। नवीन बंटी व भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन और देशहित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

बहादुरगढ़। कैंप में लोगों का स्वास्थ्य जांचते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

कैंप में 132 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

बहादुरगढ़। रविवार को सर्व कल्याण सेवा समिति द्वारा फ्री मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। कैंप में डॉ विपुल गोयल, डॉ मेघा गोयल, डॉ निशांत गोयल व डॉ निकिता गोयल ने मरीजों की जांच की और उचित परामर्श दिया। समिति अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि कैंप में 132 लोगों का स्वास्थ्य जांचा गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही संस्था द्वारा रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। शिविर में एचएसपीसीबी के आरओ शैलेंद्र अरोड़ा, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, नीरज वत्स, सत्येंद्र दहिया, विपिन अग्रवाल, मनमोहन, एनएस कपूर, वजीर सिंह दहिया, यशपाल राठी, मनीष चाहर, महेश वशिष्ठ, घनश्याम शर्मा, मनोज दूहन आदि मौजूद रहे।

रेखा को नवोदय में मिला प्रवेश

बहादुरगढ़। गांव निलोठी के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्रा रेखा ने जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य विजय खत्री ने छात्रा रेखा की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए स्कूल स्टॉफ की ओर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रेखा की मेहनत और लगन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी विद्यालय के छात्र सुशील कुमार ने नेट की परीक्षा पास कर उपलब्धि हासिल की थी।

शिविर में 234 लोगों ने कराई नेत्र जांच

- नेत्रदान की प्रेरणा से प्रेरित होकर 158 लोगों ने भरे नेत्रदान संकल्प पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत श्रीराधा अष्टमी व स्वर्गीय डॉक्टर अशोक खुराना की स्मृति में रविवार को बेरी के मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रोहतक पीजीआई के नेत्र विभाग से डॉक्टर महक भूटानी ने लोगों को नेत्र दान करने के महत्व की जानकारी दी। शिविर में 158 लोगों ने नेत्रदान करने का संकल्प लिया।

डॉक्टर एसपीएस भाटिया तथा डॉक्टर अरुज खुराना द्वारा 234 लोगों की नेत्र जांच की गई। उन्होंने बताया कि 28 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। इसके अलावा ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर भूषण कथूरिया तथा डॉक्टर जोली ने 128 लोगों की जांच की तथा मेडिसन स्पेशलिस्ट डॉक्टर अमन रोहिल्ला ने 78 लोगों का स्वास्थ्य जांचा। शिविर में पहुंचे जरुरतमंद लोगों को जहां निःशुल्क दवा व चश्में प्रदान किए गए वहीं बीपी व शूगर की जांच भी की गई। इस मौके पर मंदिर के मुख्य पुजारी कुलदीप ने कहा कि लोगों को इस प्रकार के शिविर का लाभ उठाना चाहिए।

झज्जर। शिविर में लोगों की नेत्रजांच करते हुए विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। रेलवे रोड पर श्रमिकों को नाश्ता देते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रेलवे रोड पर श्रमिकों को करवाया नाश्ता

बहादुरगढ़। सार्थक सेवा समिति ने रविवार को रेलवे रोड स्थित लेबर चौक पर एकत्र मजदूरों को नाश्ता करवाया। सार्थक परिवार से प्रभात कपूर ने अपनी मां की दसवीं पुण्यतिथि पर अग्रसेन धर्मशाला के सामने करीब 275 मजदूरों को समोसे, केले और जलजीरा परोसा। समिति अध्यक्ष एनएस कपूर ने बताया कि सार्थक परिवार पिछले 9-10 साल से ऐसी सेवाएं करता आ रहा है। इस सेवा में एसएम पाल, हरिचंद रोझा, महाबीर जांगड़ा, वजीर सिंह दहिया, गौरव अरोड़ा, अंजलि कपूर, प्राणवी व अदव्य आदि उपस्थित रहे।

जीवन में पवित्रता का आना ही उत्तम शौच

बहादुरगढ़। रविवार को मंदिर में पूजा करते जैन धर्मावलंबी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। दशलक्षण पर्व का चौथा दिन उत्तम शौच धर्म के रूप में रविवार को मनाया जाएगा। भगवान महावीर का अभिषेक एवं आरती की गई। दशलक्षण पर्व के कारण जटवाड़ा मौहल्ला स्थित दिगंबर जैन मंदिर के अलावा अग्रवाल कॉलोनी व संत कॉलोनी के जैन मंदिरों में अनेक आयोजन हो रहे हैं। रविवार को मंदिर में पूजा करते हुए शशि जैन व अश्वनी जैन ने बताया कि उत्तम शौच का अर्थ है, लोभ को छोड़ना, जिससे जीवन में शुचिता यानी पवित्रता आए। जीवन में पवित्रता का आना ही उत्तम शौच है। सुनील जैन, तरसेम जैन, पवन जैन, राकेश जैन, आनंद जैन, मुनीष जैन, विक्रांत जैन, राजीव जैन, राजबाला जैन, सरीता जैन, चंचल जैन, पुष्पा, किरण, मनोरमा जैन व अरविंद जैन सहित अनेक ने पूजा अर्चना की।

इस्कॉन मंदिर में राधा अष्टमी पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के लाइनपार इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर में रविवार को राधा अष्टमी महोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। चारों तरफ भक्ति व श्रद्धा का माहौल बना रहा।

राधा अष्टमी के पावन अवसर पर मंदिर को फूलों, झालरों और रोशनी से सजाया गया था। विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। सुबह मंगला आरती के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। सुंदर भजनों और कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

गुरु पूजा उपरांत मधु सुंदर प्रभु ने राधा रानी की महिमा का गुणगान किया। मंदिर के पुजारियों ने राधारानी और भगवान श्रीकृष्ण का विशेष श्रृंगार कर आकर्षक झांकी सजाई, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इसके बाद महाभिषेक किया गया। भक्तों ने उत्साहपूर्वक नृत्य-कीर्तन में भाग लिया और 'राधे-राधे' तथा 'हरे कृष्णा-हरे राम' के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष नित्यानंद आश्रय दास ने राधारानी की महिमा और उनके निस्वार्थ प्रेम का वर्णन किया गया। श्रद्धालुओं को बताया कि राधा अष्टमी का व्रत रखने और भक्ति भाव से पूजन करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति प्राप्त होती है। गोपाल गार्डन स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भाव विभोर कर दिया। भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया और विशेष भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। विक्रम माहेश्वरी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी राधा अष्टमी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया।

बहादुरगढ़। राधा अष्टमी पर महाभिषेक करते पुजारी व रविवार को हुए कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते गोपाल गार्डन स्कूल के बच्चे। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। नवनियुक्त कार्यकारिणी को बधाई देते इनेलो नेता। फोटो : हरिभूमि

इनेलो बेरी की खेल प्रकोष्ठ कार्यकारिणी गठित

बहादुरगढ़। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी, जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान, शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी, खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक महाबीर उर्फ भूरा पहलवान व बेरी हलकाध्यक्ष बलराज खरहर समेत शीर्ष नेताओं से विचार विमर्श के उपरांत बेरी हलका की खेल प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित की गई है। सविकी दलाल को हलकाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सतबीर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनीत, अजीत, अमित दुजाना, नवीन लकड़िया को उपाध्यक्ष बनाया गया हे। अनिल मदाना को प्रधान महासचिव, निक्की, दीपक, प्रवीण को महासचिव नियुक्त किया गया है। कुलदीप संगठन सचिव होंगे। हरीश बेरी, शंभू दुजाना व कृष्ण खरमाण को सचिव, सुमित को प्रचार सचिव व अनिल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। मोंटू गांगटान, नवीन छारा, नवीन लकड़िया, पवन दुजाना व पवन खरमाण कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए।

प्रवासी मजदूर ने फांसी लगा कर दी जान

झज्जर। गांव भिंडावास के खेतों में एक प्रवासी मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान पूर्णियां जिला बिहार निवासी करीब तीस वर्षीय सुरेन ऋषि के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुरेन बीते सप्ताह ही यहां खेतों में कार्य करने के लिए आया था। वह अपने गांव के अन्य साथियों के साथ भिंडावास के खेतों में ही रह रहा था। सुबह जब वह पानी की बोतल लेकर शौचादि के लिए खेतों में घूमने गया तो वापिस नहीं लौटा। उसके साथियों ने जब तलाश की तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक के चचेरे भाई सिकंदर ऋषि के बयान पर इतिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है।

परनाला की फिरनी पर सीवर लाइन की सफाई शुरू

बहादुरगढ़। गांव परनाला की फिरनी पर लंबे समय से जाम पड़ी सीवर लाइन की सफाई का काम शुरू हो गया है। सफाई कार्य शुरू होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इसके लिए सरपंच मुकेश अशोक राठी ने पब्लिक हैल्थ विभाग का आभार व्यक्त किया है। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने बताया कि काफी समय से सीवर जाम होने के कारण गंदा पानी गांव की फिरनी पर जमा हो जाता था। इससे न केवल दुर्गंध और मच्छरों की समस्या बढ़ गई थी बल्कि आने-जाने वालों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। कई बार प्रशासन को शिकायत भी भेजी गई थी। शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए पब्लिक हैल्थ द्वारा करीब एक किलोमीटर की फिरनी पर सीवर लाइन की सफाई का ठेका छोड़ा गया। इस पर करीब 2 लाख रुपए खर्च होंगे। वर्क अलॉट होने के बाद ठेकेदार की टीम ने मौके पर पहुंचकर सीवर लाइन की सफाई शुरू कर दी है। जेई अतुल त्यागी का कहना है कि जल्द ही पूरी लाइन को साफ कर दिया जाएगा, जिससे पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी और समस्या का स्थाई समाधान होगा। बरसात नहीं हुई तो एक सप्ताह में बकट मशीन से पूरी लाइन की सफाई हो जाएगी। सरपंच मुकेश अशोक राठी समेत ग्रामीणों ने सीवर लाइन का सफाई कार्य शुरू होने पर विभाग का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई कि काम समय पर पूरा होगा ताकि भविष्य में उन्हें दोबारा इस समस्या से न जूझना पड़े।

बहादुरगढ़। परनाला गांव की फिरनी पर सीवर लाइन की सफाई में जुटी टीम।

बहादुरगढ़। विजेता व प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ डॉ. अनीता दलाल व अन्य।

निबंध लेखन में संजना व पोस्टर मेकिंग में भूपेंद्र ने मारी बाजी

बहादुरगढ़। गांव छारा में स्थित चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में कार्यकारी प्राचार्य डॉ. अनीता दलाल के मार्गदर्शन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया। नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, इको क्लब और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कमेटी की ओर से जलवायु परिवर्तन व अर्थव्यवस्था विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर आयोजित हुआ। वाणिज्य विभाग द्वारा उद्यमिता पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध लेखन और नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

निबंध लेखन में संजना ने प्रथम, भूपेंद्र ने द्वितीय और जानवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि पोस्टर मेकिंग में भूपेंद्र प्रथम, निशा द्वितीय और अंकुश तृतीय स्थान पर रहे। व्याख्यान में राजकीय महिला महाविद्यालय रोहतक के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भूपेंद्र ने विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन के आर्थिक प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। खेल उत्सव के तहत, स्पोर्ट्स कमेटी इंचार्ज देवेंद्र के निर्देशन में टेबल टेनिस और शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में समिति के सदस्य डॉ. संजय देसवाल, डॉ. अजय, डॉ. जयंत, मोनिका, डॉ. गोविंद, विजय और डॉ. अश्वनी का विशेष योगदान रहा। विजेता विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ. अनीता दलाल और विभाग के प्राध्यापकों द्वारा सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में नर्सिंग स्टूडेंट्स के साथ डॉक्टर, अतिथि व आयोजक।

150 लोगों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल में 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोहतक पीजीआई के वाइस चांसलर डॉ. एचके अग्रवाल ने शिरकत की और स्वयं नेत्रदान संकल्प फार्म भरते हुए लोगों को इस महादान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं पूर्व मुख्य नेत्र अधिकारी डॉ. ओमवीर सिंह राठी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 150 लोगों ने नेत्रदान संकल्प लिया। इस दौरान अस्पताल में आयोजित संगोष्ठी में भाजपा कार्यालय के राज्य सचिव गुलशन भाटिया, पीजीआई के नेत्र रोग विभाग से प्रोफेसर डॉ. अशोक राठी, एसएमओ विनय देशवाल, भाजपा नेता दिनेश कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, कर्मवीर राठी व रमेश राठी आदि मौजूद रहे। डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि नेत्रदान किसी को प्रकाश का उपहार देने जैसा दिव्य कार्य है। डॉ. अशोक राठी ने कहा कि जीते जी रक्तदान और मृत्यु उपरांत नेत्रदान का संदेश जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। पीएमओ डॉ. मंजू कादयान ने अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने की जरूरत बताई। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मालविका बंसल ने नेत्रदान को महादान बताते हुए कहा कि इससे दृष्टिहीन को नई जिंदगी मिल सकती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900